अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

प्रस्तुत अध्याय में सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोगिता के संदर्भ में शिक्षकों की राय का अध्याय किया गए है। किसी भी शोध का मुख्य उद्देश्य संबंधित उद्देश्यों के आधार पर शोध का निष्कर्ष प्राप्त करना ही है। यह अध्याय वास्तव में संपूर्ण शोध का एक संराश प्रस्तुत करता है, जिसमें शोध का परिणाम निहित होता है। निष्कर्ष वास्तव में शोध के परिणाम है जिन्हें प्रशनों के विश्लेषण व व्याख्या से प्राप्त किया जाता है।

यह शोध का परिणाम शोधकर्ता व्दारा परिभाषित किया गए विशिष्ट जनसंख्या तक ही सीमित है क्योंकि शोधकर्ताओं ने अपने शोध के लिया माध्यमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों तक ही सीमित रखा है। तथा यह शोध सामाजिक विज्ञान शिक्षकों तक ही सीमित है।

5.2 समस्या का कथन

" माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोगिता के संदर्भ में शिक्षकों की राय का अध्याय। "

5.3 अध्याय के उद्देश्य

"सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग के प्रति सामाजिक विज्ञान शिक्षकों की राय का अध्याय करना।"

5.4 अध्याय का परिसीमन

अध्याय भोपाल जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों तक था । जिस में माध्यमिक विद्यालयों के सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों का सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा उन के संबंध की राय का अध्याय किया गए है।

5.5 जनसंख्या

भोपाल जिले के माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के शिक्षक के रूप में कर्य कर रहे हैं। उन मे से 60 शिक्षकों को अध्याय के लिए जनसंख्या माना गया है।

5.6 शोध प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध में समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए वर्णनात्मक पध्दति के अंतर्गत सर्वेक्षण पध्दति का उपयोग किया गए है, जिसमें गुणात्मक पध्दतियों के उपयोग से समस्या का समाधान करने का प्रयास किया गया है।

सर्वेक्षण विधि शोध करने की वह विधि है, जिसके अंतर्गत वृहद पैमाने पर आंकड़े एकत्र किए जाते है, और तकनीकों को प्रायः दो क्षेणियों में वर्गकृत में किया जाता है। मात्रात्मक विधि का उपयोग हम विस्तार पूर्वक अध्याय के लिए करते है तथा गुणात्मक शोध में हम सामाजिक संबंधों के जटिल पक्षों के संबंध में विस्तार पूर्वक अध्याय करते है।

5.7 प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श का चयन

शोध के अछे परिणामों के लिए अच्छा प्रतिदर्श बहुत अधिक आवश्यक है। संपूर्ण जनसंख्या में किसी शोध को करना संभव नहीं है। अत: किसी भी शोध में प्रतिदर्श का चयन बहुत अधिक आवश्यक हो जाता है। इस हेतु सोद्देश्य प्रतिदर्श का चयन किया गया है।

5.8 निष्कर्ष

उपरिति शोध में शोधकर्ता ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग के प्रति सामाजिक विज्ञान शिक्षकों की राय किस प्रकार से है। इस शोध में शोधकर्ता ने पाया है की 58.4% शिक्षक सहमत है की, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सामाजिक विज्ञान के अध्यापन के लिया उपयोगी है, जब की 0% शिक्षकों की राय में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सामाजिक विज्ञान के अध्यापन के लिया उपयोगी नहीं है, और 41.6% शिक्षक तटस्थ के रूप में आपनी राय बताई गई है।

5.9 शोध का परिणाम

उपरीति शोध में कार्य करने से शोधकर्ता को यह परिणाम मिला की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सामाजिक विज्ञान के अध्याय के उपयोगी है और इस शोध में शोधकर्ता ने पाया है की अधिक तर शिक्षक सहमत है की, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सामाजिक विज्ञान के अध्यापन के लिया उपयोगी है। जिस के चलते सामाजिक विज्ञान के विषय में ज्ञान का विकास हो सके।

5.10 सुझाव

- शोधकर्ता को कई माध्यमिक विद्यालय देखने को मिले जहा पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी साधनों की कमी है, जिस के चलते हो अपने अध्याय मे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग ना के बराबर करते है।
- शिक्षकों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी समय- समय पर प्रशिक्षण देना चाहिए, जिसे के चलते शिक्षक विशाल ज्ञान को छात्रों को आसानी से समज सके।
- माध्यमिक विद्यालय में आधुनिक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधन उपलब्द करावा देना चाहिए।

5.11 भावी शोधकर्ता को लिए सुझाव

- प्राथमिक स्थर पर कार्य कर रहे शिक्षकों की राय का अध्याय किया जा सकता है।
- उच्च माध्यमिक विद्यालय में सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षकों की राय का अध्याय किया जा सकता है।
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपयोगिता के संदर्भ में शासकीय विद्यालय तथा निजी विद्यालय का तुलनात्मक अध्याय किया जा सकता है।